Ch-6

23/11/2022

⇒ ढाँचे में बदलाव की बढ़ती हुई माँग देखकर 1997 में महासचिव ने कोफी अन्नान ने जाँच शुरू करवाई थी।

⇒ संयुक्त राष्ट्रसंघ के सालाना बजट में सर्वाधिक योगदान करने वाले देश (2019) —

संयुक्त राज्य अमेरिका	- 22.0%	[भारत - 0.8%]
चीन	- 12.0%	
यू.के.	- 4.5%	
फ्रांस	- 4.4%	
रूस	- 2.4%	

⇒ निषेधाधिकार (वीटो) को समाप्त करने की मुहिम भी चली है पर "वीटो" न हो तो 1945 के समान इन ताकतवर देशों की दिलचस्पी संयुक्त राष्ट्र संघ में न रहे।

(5.) संयुक्त राष्ट्रसंघ का न्यायाधिकार :—

⇒ न्यायाधिकार में आने वाले मुद्दों की समीक्षा सम्बन्धी सुधार के सम्बन्ध में कुछ देश चाहते हैं कि यह संगठन शान्ति एवं सुरक्षा से जुड़े मिशनों में अधिक प्रभावकारी भूमिका निभाए, जबकि कुछ देश चाहते हैं कि यह संगठन अपने को विकास एवं मानवीय भलाई के कार्यों तक सीमित रखे।

(6.) संयुक्त राष्ट्रसंघ में सुधार और भारत :—

⇒ भारत ने संयुक्त राष्ट्र संघ के ढाँचे में बदलाव के मुद्दे को कई आधारों पर समर्थन दिया है।

⇒ भारत का मत है कि बदलते हुए विश्व में संयुक्त राष्ट्र संघ की मजबूती एवं दृढ़ता अति आवश्यक है।

⇒ भारत का मत है कि सुरक्षा परिषद में सदस्यों की संख्या बढ़ाने से सुरक्षा परिषद अधिकप्रतिनिधिमूलक होगी और उसे विश्व समुदाय का पर्याप्त समर्थन प्राप्त होगा। इसलिए सुरक्षा परिषद में स्थायी एवं अस्थायी दोनो प्रकार के सदस्यों की संख्या बढ़ायी जानी चाहिए।

⇒ भारत स्वयं सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्य बनना चाहता है। (विश्व जनसंख्या का 1/5 वाँ हिस्सा भारत में है)

⇒ पाकिस्तान जैसे देश संयुक्त राष्ट्र संघ में वीटोधारी स्थायी सदस्य के रूप में भारत की सदस्यता का विरोध कर रहे है।

⇒ संयुक्त राष्ट्र संघ की संख्या 1965 में 11 से बढ़कर 15 कर दी गई थी।

(7.) एक - ध्रुवीय विश्व में संयुक्त राष्ट्र संघ :—

⇒ संयुक्त राष्ट्र संघ, संयुक्त राज्य अमेरिका पर आसानी से अंकुश नहीं लगा सकता है।

⇒ सोवियत संघ के विघटन के बाद विश्व की एकमात्र महाशक्ति रह जाने के पश्चात संयुक्त राज्य अमेरिका अपनी सैन्य एवं आर्थिक शक्ति के बल पर संयुक्त राष्ट्र संघ की अनदेखी कर सकता है।

⇒ संयुक्त राष्ट्र संघ संयुक्त राज्य अमेरिका एवं शेष विश्व के बीच विभिन्न मुद्दों पर बातचीत स्थापित कर सकता है।

⇒ आज विभिन्न समाजों एवं मसलों के बीच आपसी तार जुड़ते जा रहे हैं। कुछ आने वाले दिनों में पारस्परिक निर्भरता बढ़ती जायेगी, इसलिए संयुक्त राष्ट्र संघ का महत्व भी निरन्तर बढ़ता जाएगा।

★ ⇒ अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) (इंटरनेशनल मॉनेटरी फण्ड) वैश्विक स्तर पर वित्त व्यवस्था की देखरेख करता है।

★ ⇒ विश्व बैंक अपने सदस्य देशों को आसान शर्तों पर ऋण व अनुदान देता है।

★ ⇒ विश्व व्यापार संगठन वैश्विक व्यापार के नियमों को निर्धारित करता है।

★ ⇒ अन्तर्राष्ट्रीय आण्विक ऊर्जा एजेंसी परमाणिक ऊर्जा के शान्तिपूर्ण उपयोग को बढ़ावा देने एवं सैन्य उद्देश्यों में उसके उपयोग को रोकने की कोशिश करता है।

★ ⇒ एमनेस्टी इंटरनेशनल एवं स्वयंसेवी संगठन है जो सम्पूर्ण विश्व में मानवाधिकारों की रक्षा के लिए अभियान चलाता है।

★ ⇒ ह्यूमन राइट वॉच संयुक्त राज्य अमेरिका का सबसे बड़ा अन्तर्राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन है जो मानवाधिकारों का समर्थन एवं उनसे सम्बन्धित अनुसन्धान करता है।